हिंदी भाषाकेव्याकरण के रचना पक्ष का ज्ञान, संप्रेषण कौशल, सामाजिकसंदेश एवं भाषायी दक्षता की दृष्टि तथा नई शिक्षा नीति के उद्देश्य को ध्यान में रखकर पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है।

बी.ए./ बी.एस-सी./ बी.कॉम./ बी.एच.एस.सी. भाग- दो

(आधार पाठ्यक्रम)

प्रथम प्रश्नपत्र

हिंदी भाषा

कोड....

पूर्णांक 75

क्रेडिट 05

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:-

(1)गद्य विधाओंसे अवगत कराना एवं निबंध कौशल सिखाना।

(2)कार्यालयीन हिंदी का ज्ञान प्रदान करना ।

(3)हिंदी व्याकरण का समग्र ज्ञान प्रदान करना ।

(4)हिंदी भाषा में प्रचलित विभिन्न शब्द रूपों से परिचित कराना।

पाठ्य विषय:-

इकाई1. (क) नाखून क्यों बढ़ते हैं?: हजारी प्रसाद द्विवेदी (ख) कार्यालयीन भाषा, मीडिया की भाषा, वित्त एवं वाणिज्य की भाषा,मशीनी भाषा	अंक 15 18 कालखंड
इकाई 2. (क)युवकों का समाज में स्थान : आचार्य नरेंद्र देव (ख) हिंदी के तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी शब्द-परिचय,	अंक 15 18 कालखंड

23.2.23

23-2-2023

23/2/23

23/2/23

संज्ञा, सर्वनाम,	
इकाई 3 (क)डॉ खूबचंद बघेल : हरि ठाकुर (ख)कारक, विशेषण, क्रिया विशेषण	अंक 15 18 कालखंड
इकाई 4 (क) एक पहाड़ीमैना की मौत : डॉ. कांति कुमार जैन (ख) समास, संधि	अंक 15 18 कालखंड
इकाई 5 (क) मातृभूमि : वासुदेव शरण अग्रवाल (ख)अनुवाद - परिभाषा, स्वरूप, प्रकार, स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा, अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद	अंक 15 18 कालखंड

मूल्यांकन योजना:-

प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प होगा। प्रत्येक प्रश्न के 15 अंक होंगे। प्रत्येक प्रश्न के दो भाग 'क' और 'ख' होंगे एवं अंक क्रमशः 08 एवं 07 होंगे। प्रश्नपत्र का पूर्णांक 75 निर्धारित है।प्रश्नपत्रकेपूर्णांककादसप्रतिशतअंकआंतरिकमूल्यांकनकेलिएनिर्धारितहै।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:-

1. गद्य की विभिन्न विधाओं से परिचित हो सकेंगे एवंउनमेंसाहित्यिक रूझान पैदा होगा।
2. हिंदी के आधारभूत व्याकरणिक अवधारणाओं से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे। उनमें रचनात्मकताएवं भाषाकौशल का विकास होगा।
3. विभिन्नप्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में यह पाठ्यक्रम सहायक होगा।

पाठ्यक्रम निर्माण का औचित्य :-

सुप्रसिद्ध विद्वानों के लेख/निबंध/संस्मरण के माध्यम से विद्यार्थियों के चिंतनपरक दृष्टिकोण एवं व्यक्तित्व का विकास करते हुए उन्हें व्याकरणिक एवं भाषा-प्रयोग विषयक पक्ष से परिचित कराते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं की दृष्टि से तैयार करने की दिशा में यह पाठ्यक्रम उपयोगी रहेगा।

23/2/23 23.2.2023 23/2/23

बी.ए./ बी.एस-सी./ बी.कॉम./ बी.एच.एस.सी. भाग- तीन

(आधार पाठ्यक्रम)

प्रथम प्रश्नपत्र

हिंदी भाषा

कोड....

पूर्णांक 75

क्रेडिट 05

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:-

1. हिंदी साहित्य की मूल संवेदना से सामान्य रूप से परिचित कराना ।

2.भारत की सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यावरण संबंधी समग्र राष्ट्रीय विकास की रणनीति के विषय में सामान्य जानकारी प्रदान करना।

3. हिंदी में अभिव्यक्ति की पद्धतियों से अवगत कराना एवं उनके संप्रेषण कौशल में वृद्धि करना।

4. कामकाजी भाषा का सम्यक ज्ञान प्रदान करना।

23.2.2023

23/2/23

इकाई 1 (क) भारत माता : सुमित्रानंदन पंत शहर से सोचता हूँ : विनोद कुमार शुक्ल (ख) कथन की शैलियाँ: 1. विवरणात्मक शैली 2. मूल्यांकनपरक शैली 3. व्याख्यात्मक शैली 4. विचारात्मक शैली	अंक 15 18 कालखंड
इकाई 2(क)सूखी डाली : उपेंद्रनाथ अश्क अपोलो का रथ : श्रीकांत वर्मा (ख) विभिन्न संरचनाएँ 1. विनम्रता सूचक संरचना 2. विधिसूचक संरचना 3. निषेधपरक संरचना 4. कालबोधक संरचना 5. स्थान बोधक संरचना 6. दिशाबोधक संरचना 7. कार्य-कारण संबंध संरचना 8. अनुक्रम संरचना	अंक 15 18 कालखंड
इकाई 3 (क) रहीम चाचा: शानी निमित्त : भीष्म साहनी (ख) कार्यालयीन पत्र 1. परिपत्र 2. आदेश 3. अधिसूचना 4. ज्ञापन 5. अनुस्मारक 6. पृष्ठांकन	अंक 15 18 कालखंड
इकाई 4(क) आज भी खरे हैं तालाब (आज भी खरे हैं तालाब काअध्याय) : अनुपम मिश्र एक गाँव में विश्व पर्यावरण वर्ग (धरती की पुकार का अध्याय) : सुंदरलाल बहुगुणा (ख) समसामयिक विषयों पर एक निबंध (शब्द सीमा 250)	अंक 15 18 कालखंड
इकाई 5 (क)संस्कृतिऔरराष्ट्रीयएकीकरण : योगेश अटल शक्तिमानता का अर्थशास्त्र :ओंकारशरणश्रीवास्तव	अंक 15 18 कालखंड

23/2/23

23.2.2023

(ख) घटनाओं, समारोहोंका प्रतिवेदन, विभिन्न प्रकार के निमंत्रण पत्र	

मूल्यांकन योजना:-

प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न पूछे जाएंगे। एक प्रश्न के 15 अंक होंगे। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प होगा। प्रत्येक प्रश्न के दो भाग 'क' और 'ख' होंगे एवं अंक क्रमश:08 एवं 07 होंगे। प्रश्नपत्र का पूर्णांक75 निर्धारित है।प्रश्नपत्रकेपूर्णांककादसप्रतिशतअंकआंतरिकमूल्यांकनकेलिएनिर्धारितहै।

पाठ्यक्रम के संभावित परिणाम:-

1. हिंदी साहित्य से सामान्य परिचय हो सकेगा ।
2. हिंदी में अभिव्यक्ति की पद्धतियों से परिचय होगा एवं उनके संप्रेषण कौशल में वृद्धि हो सकेगी।
3. कामकाजी भाषा लेखन का कौशल विकसित हो सकेगा ।
4. भारतीय संस्कृति के समन्वयात्मक स्वभाव के प्रति विश्वास जागृत हो सकेगा।

23/2/23 23.2.2023 23/2/23